Maine, Sir Henry James Sumner

सर हेनरी जेम्स समनर मेन (1822-1888)

उद्विकासीय सिद्धान्त के सुप्रसिद्ध अनुसरणकर्त्ता विद्वान **सर हेनरी जेम्स समनर मेन** तुलनात्मक न्यायशास्त्र के प्रणेता रहे हैं। ल्यूईस हेनरी मॉर्गन की भांति वे भी इस विचार से सहमत थे कि **आदिम समाजों का कानूनी आधार रक्त और नातेदारी पर आधारित सम्बन्धों में गढ़ा हुआ है।** अपनी दो सर्वाधिक चर्चित पुस्तकों यथा 'प्राचीन कानून' (ऐनशॅन्ट लॉ, 1861) और 'लोकप्रिय सरकार' (पॉप्युलर गॅवरमेन्ट, 1885) में उन्होंने **उद्विकासीय सिद्धान्त का समर्थन** करते हुए कहा कि माननीय समाजों का इतिहास उत्तरोत्तर प्रगति को प्रकट करता है, अर्थात नातेदारी के आधार पर गठित प्रदत्त स्थिति वाले समाज धीरे-धीरे कानून सम्मत अनुबंधों या समझौतों पर आधारित आधुनिक प्रकार के उन्नत समाजों में बदलते जाते हैं।

प्रगतिशील समाज सम्बन्धी मेन के ये निष्कर्ष मुख्यतः यूनान, रोम और कुछ सीमा तक भारत के प्राचीन इतिहास के आधार पर आदिम समाजों की जीवन-शैली के विषय में उनके द्वारा लगाये गये अनुमानों पर आधारित हैं। किन्तु, उन्नीसवीं और बीसवीं शताब्दी में मानवशास्त्रियों द्वारा आदिम जनजातियों में किये गये क्षेत्र-कार्य से मेन के निष्कर्षों की पुष्टि नहीं होती है। यही नहीं, प्राचीन समाजों की सभ्यताओं से संकलित तथ्य भी मेन के अनुमानों पर प्रश्न-चिन्ह लगाते हैं।

परिवार की उत्पत्ति संबंधी उनके विचार प्लेटो और अरस्तू के विचारों पर आधारित हैं

Scanned with CamScanner

जो यह मानते थे कि परिवार का आदि रूप पितृसत्तात्मक था और मातृसत्तात्मक परिवारों का जन्म बाद में हुआ है।

प्रमुख कृतियाँ :

1. Ancient Law, (1861)
2. Popular Government, (1885)

Majumdar, Dhirendra Nath